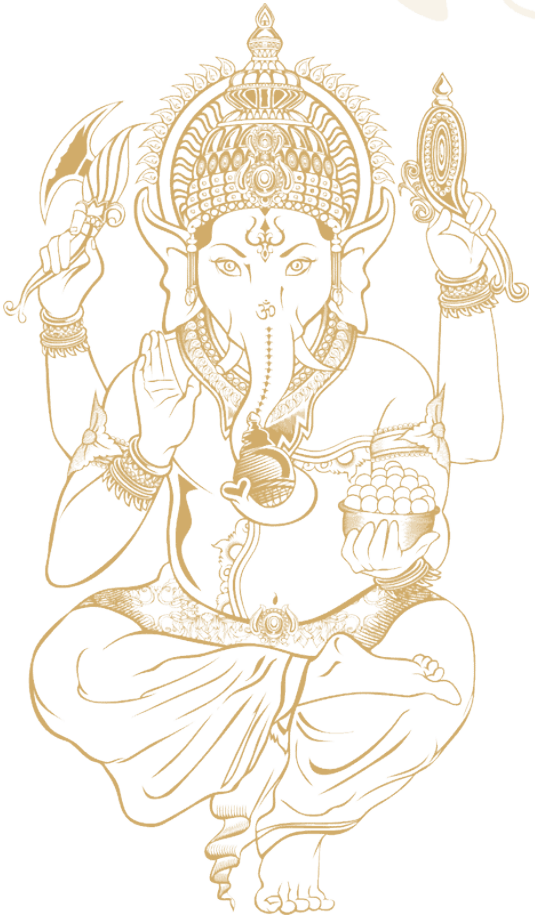

Pooja Mishra

22 Jun 1999

04:15 PM

Varanasi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121176813

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/06/1999**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**16:15:00 घंटे**
इष्ट	27:46:16 घटी
स्थान	**Varanasi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:20:00 उत्तर
रेखांश	83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:17:00 घंटे
वेलान्तर	-00:01:50 घंटे
साम्पातिक काल	10:17:43 घंटे
सूर्योदय	05:08:29 घंटे
सूर्यास्त	18:51:11 घंटे
दिनमान	13:42:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	06:44:50 मिथुन
लग्न के अंश	03:13:04 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:13:04	312:07:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मिथु	06:44:50	00:57:14	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			कन्या	25:51:26	12:05:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	02:38:40	00:12:58	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
बुध			कर्क	01:11:11	01:16:57	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			मेष	05:10:28	00:10:13	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	21:37:33	00:51:38	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			मेष	19:33:08	00:06:02	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	20:06:04	00:03:19	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	20:06:04	00:03:19	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:33:35	00:01:25	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	09:59:03	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	14:41:36	00:01:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	08:36:29	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:47

लग्न-चलित

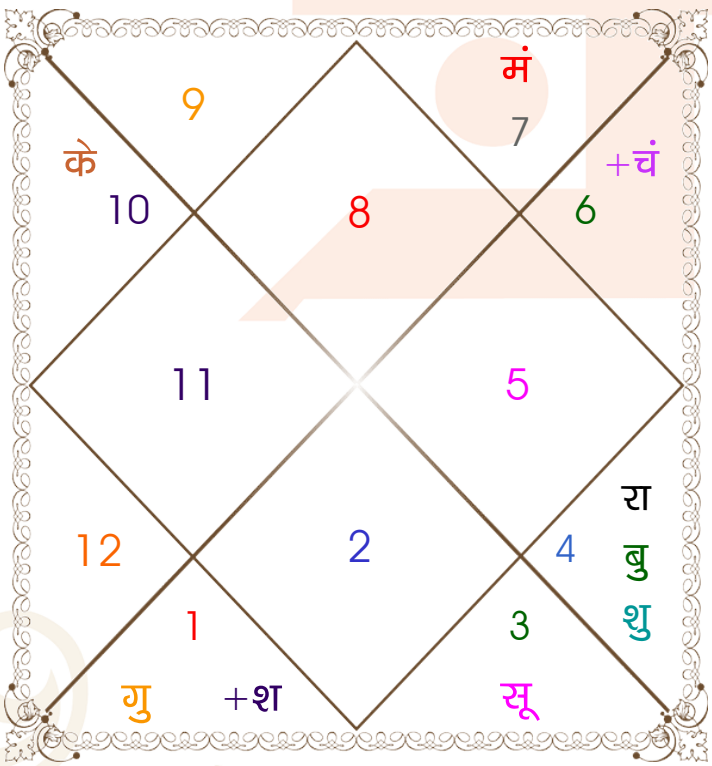

चन्द्र कुंडली

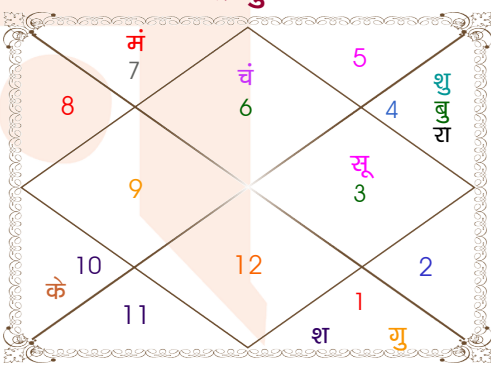

नवमांश कुंडली

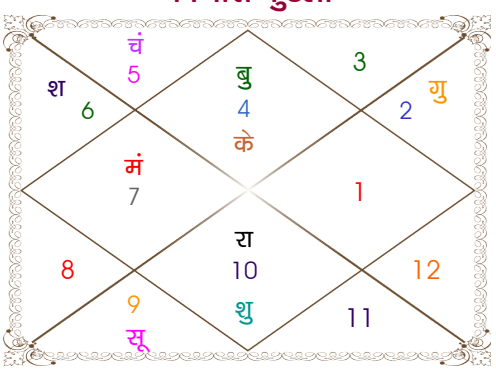

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 8 मास 3 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/06/1999		23/02/2005		23/02/2023		23/02/2039		23/02/2058	
23/02/2005		23/02/2023		23/02/2039		23/02/2058		23/02/2075	
	22/06/1999	राहु	06/11/2007	गुरु	13/04/2025	शनि	26/02/2042	बुध	22/07/2060
राहु	10/08/1999	गुरु	01/04/2010	शनि	25/10/2027	बुध	05/11/2044	केतु	19/07/2061
गुरु	16/07/2000	शनि	05/02/2013	बुध	30/01/2030	केतु	15/12/2045	शुक्र	19/05/2064
शनि	25/08/2001	बुध	25/08/2015	केतु	06/01/2031	शुक्र	14/02/2049	सूर्य	25/03/2065
बुध	22/08/2002	केतु	12/09/2016	शुक्र	06/09/2033	सूर्य	27/01/2050	चंद्र	25/08/2066
केतु	18/01/2003	शुक्र	12/09/2019	सूर्य	25/06/2034	चंद्र	28/08/2051	मंगल	22/08/2067
शुक्र	19/03/2004	सूर्य	06/08/2020	चंद्र	25/10/2035	मंगल	06/10/2052	राहु	10/03/2070
सूर्य	25/07/2004	चंद्र	05/02/2022	मंगल	30/09/2036	राहु	13/08/2055	गुरु	15/06/2072
चंद्र	23/02/2005	मंगल	23/02/2023	राहु	23/02/2039	गुरु	23/02/2058	शनि	23/02/2075

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/02/2075		23/02/2082		24/02/2102		25/02/2108		24/02/2118	
23/02/2082		24/02/2102		25/02/2108		24/02/2118		00/00/0000	
केतु	23/07/2075	शुक्र	25/06/2085	सूर्य	14/06/2102	चंद्र	25/12/2108	मंगल	23/07/2118
शुक्र	21/09/2076	सूर्य	25/06/2086	चंद्र	13/12/2102	मंगल	26/07/2109	राहु	23/06/2119
सूर्य	27/01/2077	चंद्र	24/02/2088	मंगल	20/04/2103	राहु	25/01/2111		00/00/0000
चंद्र	28/08/2077	मंगल	25/04/2089	राहु	14/03/2104	गुरु	26/05/2112		00/00/0000
मंगल	24/01/2078	राहु	25/04/2092	गुरु	31/12/2104	शनि	25/12/2113		00/00/0000
राहु	11/02/2079	गुरु	25/12/2094	शनि	13/12/2105	बुध	27/05/2115		00/00/0000
गुरु	18/01/2080	शनि	23/02/2098	बुध	20/10/2106	केतु	26/12/2115		00/00/0000
शनि	26/02/2081	बुध	25/12/2100	केतु	24/02/2107	शुक्र	26/08/2117		00/00/0000
बुध	23/02/2082	केतु	24/02/2102	शुक्र	25/02/2108	सूर्य	24/02/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।